

भारत सरकार  
परमाणु ऊर्जा विभाग  
06.08.2014 को लोक सभा में  
पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 3938  
परमाणु विद्युत रिएक्टरों द्वारा विद्युत उत्पादन

3938. श्री बी. श्रीरामुलु:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) देश के परमाणु विद्युत रिएक्टरों द्वारा उत्पादित विद्युत का संयंत्र-वार ब्यौरा क्या है;
- (ख) क्या सरकार ने इन रिएक्टरों को ईंधन की पर्याप्त और निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित की है; और
- (ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय ( डॉ. जितेन्द्र सिंह ) :

- (क) कुल 4780 मेगावाट क्षमता वाले बीस (20) नाभिकीय विद्युत रिएक्टर हैं। इसके अतिरिक्त, कुडलकुलम, तमिलनाडु स्थित कुडनकुलम नाभिकीय विद्युत संयंत्र (केकेएनपीपी) यूनिट-1 (1000 मेगावाट) को भी 22 अक्टूबर, 2013 को ग्रिड के साथ जोड़ा गया है। इस संबंध में ब्यौरा नीचे दिया जा रहा है:

अवस्थिति तथा राज्य	यूनिट	सकल स्थापित क्षमता मेगावाट में
तारापुर, महाराष्ट्र	टीएपीएस-1	160
	टीएपीएस-2	160
	टीएपीएस-3	540
	टीएपीएस-4	540
रावतभाटा, राजस्थान	आरएपीएस-1*	100*
	आरएपीएस-2	200
	आरएपीएस-3	220
	आरएपीएस-4	220
	आरएपीएस-5	220
	आरएपीएस-6	220
कलपाक्कम, तमिलनाडु	एमएपीएस-1	220
	एमएपीएस-2	220
नरोरा, उत्तर प्रदेश	एनएपीएस-1	220
	एनएपीएस-2	220
काकरापार, गुजरात	केएपीएस-1	220
	केएपीएस-2	220
कैगा, कर्नाटक	कैगा-1	220
	कैगा-2	220
	कैगा-3	220
	कैगा-4	220
	कुल	4780

\*राजस्थान परमाणु बिजलीघर #1 (100 मेगावाट) अक्टूबर, 2004 से लेकर तकनीकी-आर्थिक मूल्यांकन हेतु विस्तारित शट-डाउन की अवस्था में है।

- (ख) पृथक्करण योजना के अंतर्गत, वर्तमान में बीस रिएक्टरों में से दस रिएक्टरों को अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के सुरक्षोपायों के अंतर्गत रखा गया है और ये रिएक्टर आयातित ईंधन को उपयोग में ला सकते हैं। ये रिएक्टर हैं, रावतभाटा, राजस्थान स्थित राजस्थान परमाणु बिजलीघर (आरएपीएस) यूनिट 1 से 6; काकरापार, गुजरात स्थित काकरापार परमाणु बिजलीघर (केएपीएस) यूनिट -1 तथा 2; और तारापुर, महाराष्ट्र स्थित तारापुर परमाणु बिजलीघर (टीएपीएस) यूनिट 1 तथा 2। इन रिएक्टरों को सामान्यतः इनकी पूर्ण क्षमता पर प्रचालित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, रूसी परिसंघ के साथ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग करके कुडनकुलम, तमिलनाडु में स्थापित दो और रिएक्टर, कुडलकुलम (केकेएनपीपी) यूनिट 1 तथा 2 को भी अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के सुरक्षोपायों के अंतर्गत रखा गया है।

दस (10) नाभिकीय विद्युत रिएक्टर नामतः कैगा, कर्नाटक स्थित कैगा उत्पादन केन्द्र (केजीएस) यूनिट 1 से 4; नरोरा, उत्तर प्रदेश स्थित नरोरा परमाणु बिजलीघर (एनएपीएस) यूनिट 1 तथा 2; कलपाक्कम, तमिलनाडु स्थित मद्रास परमाणु बिजलीघर (एमएपीएस) यूनिट 1 तथा 2; और तारापुर, महाराष्ट्र स्थित तारापुर परमाणु बिजलीघर (टीएपीएस) यूनिट 3 तथा 4 ने स्वदेशी यूरेनियम को उपयोग में लाना जारी रखा है। स्वदेशी यूरेनियम की मांग और आपूर्ति में बेमेलता के कारण, इन रिएक्टरों द्वारा उत्पादित कुल विद्युत सामान्यतः इनकी 2840 मेगावाट की सकल स्थापित क्षमता की तुलना में कम रहती है। देश में यूरेनियम के अन्वेषण और निष्कर्षण संबंधी व्यापक कार्य करने के परिणामस्वरूप, देश में यूरेनियम के पता लगाए गए *स्वस्थाने* भंडार में क्रमिक रूप से वृद्धि हो रही है।

\*\*\*\*\*